भारत में ग्रामीण परिवेश निवेश औरउनके परिणाम

डॉ. धीरज कुमार पासवान

शिक्षा और विकास के बीच आनुभाविक संबंधों को विरासत में मिले ढ़ाँचे की कमजोरियों तथा असमानताओं के संदर्भ में देखा गया है। शिक्षा से बेहतर और जल्दी सामाजिक लाभ पाने के लिए यह ढ़ाँचे में बदलाव पर ध्यान केंद्रित करता है। विकास के साथ जो कि इसके संबंध द्वि–दिशात्मक हैं, अकेली शिक्षा गरीबी की रूकावटों को तोड़ने में असमर्थ है। यद्यपि यह उत्प्रेरक का काम करती है, जो एक तरफ तो गुणवत्ता में सुधार लाकर श्रम की उत्पादकता को बढ़ाती है, दूसरी तरफ यह उत्पादकता, मृत्यु दर तथा आव्रजन पर अपना प्रभाव डालकर यह श्रम की मात्रा को भी कम करता है। इसलिए कहा जा सकता है कि विकासशील देशों में विकास प्रक्रिया के दौरान जो असमानता पैदा होती है, उस असमानता को दूर करने का यह एक महत्वपूर्ण तथा कारगर हथियार है।